(vii)	Bangalore-Mysore-Nanjangud-Gundlupet-Ooty-Coimbatore (to join NH-47 in Tamil Nadu)	220
(viii)	Chitradurga-Holalkere-Hosadurga-Chikmagalur-Mudigere-Belthangadi-Mangalore (to join NH-17)	283
(ix)	Dharwar-Londa-Anmod-Panaji (to join NH-17)	95
(x)	Padubidri-Karkala-Sringeri-Trirthahalli-Shikaripur-Shiralkoppa-Hubli-Bagalkot-Hungud	550
(xi)	Sirsi (on NH-4 Bangalore-Pune Road) Madhurigi-Gouribidnur-Chikballapur-Chintamani-Srinivasapur-Mulbagal (NH-4 Bangalore-Madras road)	160
(xii)	Bangalore-Kankanhalli-Malavalli-Mysore-Nanjangud-Sultanbatery-Calicut	240
(xiii)	Chitradurga-Arasikere-Holenarasipur-Madikeri-Tellicherry	360
	TOTAL:	4425

Grant-in-Aid for the Indian Council of World Affairs

*250. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Council of World Affairs has been declared as an institution of national importance;

(b) if so, whether any grant-in-aid has been given to it to enable it to maintain its national character; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAVSINH SOLANKI): (a) to (c) The present position is that the Indian Council of World Affairs does not stand declared as an institution of national importance; however proposals to re-introduce legislation in this regard have been received and are under consideration.

सूती धागे और कपड़ा उत्पादन की क्षमता का बेहतर उपयोग किए जाने की आवश्यकता

*251. डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

श्री राम जेठमलानी :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश से प्रति वर्ष कपास, सूती-धागे और सिले-सिलाये वस्त्रों का निर्यात किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990-91 के दौरान अगस्त-सितम्बर, 1991 तक कुल कितने मूल्य के कपास, सूती धागे और सिले-सिलाये वस्त्रों का निर्यात किया गया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि कपास के निर्यात की तुलना में सूती धागे और सिले-सिलाये वस्त्रों के निर्यात से अधिक विदेशी-मुद्रा प्राप्त होती है ;

(घ) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में सूती धागे और कपड़े के उत्पादन की पर्याप्त स्थापित क्षमता है ; और